मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 114, मुंबई, शनिवार, 4 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई: युगांडा की महिला के शरीर से निकाले गए तीन करोड़ रुपये कीमत के मादक पदार्थों के 64 कैप्सूल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर युगांडा की एक महिला को 49 कैप्सूल में 535 ग्राम हेरोइन और 15 कैप्सूल में 175 ग्राम मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अवैध बाजार में तीन करोड़ रुपये की कीमत के मादक पदार्थ महिला के शरीर में छिपाए गए थे। उन्हें शरीर से बाहर निकालने के लिए महिला को भायखला के सरकारी जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में बेवजह हॉर्न बजाने वालों की..... शामत

पुलिस ने 2765 वाहन चालकों का काटा चालान

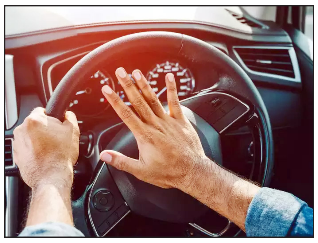

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस ने बुधवार को आयोजित 'नो हॉन्किंग' अभियान के पहले दिन 2,700 से अधिक मोटर चालकों के खिलाफ कार्रवाई की थी। पुलिस आयुक्त संजय पांडेय के आदेश पर ट्रैफिक पुलिस ने अनावश्यक रूप से हॉर्न बजा कर ध्वनि प्रदूषण करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में कोरोना के मामले 30 गुना बढ़े

उद्धव ठाकरे की चेतावनी

लॉकडाउन नहीं चाहिए तो करें कोविड नियमों का पालन

मुंबई। मुंबई में कोविड-19 को मामले अचानक तेजी से बढ़ने लगे हैं। केसेस में तीस गुना बढ़ोत्तरी हुई है। बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार कि चिंता बढ़ गई है। सीएम उद्धव ठाकरे ने बैठक करके लोगों को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा है कि अगर मुंबई में लॉकडाउन नहीं चाहते हैं तो जागरूक हो जाएं और नियमों का पालन करें। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

स्कूल खुलने पर बढ़ेंगी चुनौतियां

महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जन साधारण से अपील की है कि वे नियमों का कड़ाई से पालन करें, अन्यथा उन्हें पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। मास्क लगाएं, टीकाकरण करवाएं, समय-समय पर हाथ धोएं और सामाजिक दूरी का पालन करें। आने वाले दिनों में स्कूल खुलेंगे, तो हमारी चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। बेहतर होगा कि सभी नियमों का पालन करें।

बैठक की मुख्य बातें

- यदि पाबंदियां नहीं चाहते हैं, तो अनुशासन का कड़ाई से पालन करें
- डेढ़ महीने में सात गुना बढ़ी है मरीजों की संख्या
- मास्क का प्रयोग करें, टीका लगवाएं
- बुखार, ठंड लगना, गले में खराश होने पर तुरंत जांच करवाएं
- भीड़भाड़ वाली जगह पर मास्क का प्रयोग करें
- वरिष्ठ नागरिक टीका के साथ-साथ बूस्टर डोज लें
- स्वास्थ्य प्रणाली में बुनियादी ढांचा तैयार होना चाहिए
- ऑक्सिजन, दवाएं और उपकरणों का पर्याप्त स्टोर
- बरसाती बीमारियों से बचें।

कश्मीर में आतंकियों को दिलवाता था ट्रेनिंग, महाराष्ट्र एटीएस ने किया गिरफ्तार

अधिकारियों ने बताया कि अपने आकाओं के निर्देश के तहत नए भर्ती किये गये आतंकवादियों को जुनैद ने प्रशिक्षण के लिए जम्मू कश्मीर ले जाने की कोशिश की ताकि वे देश में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे सकें

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए आतंकवादियों की भर्ती करने के आरोपी जुनैद मोहम्मद के साथ कथित संपर्क के मामले में बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जुहू में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके में हाथापाई के दौरान 28 वर्षीय एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार रात नेहरूनगर के अंबे माता चॉल में हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान सूरज कनौजिया के रूप में हुई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

सिर्फ सोनिया व राहुल ही क्यों?

केंद्र सरकार के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को पेशी का नोटिस भेजा है। ये दोनों कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष हैं। इनके अलावा आप पार्टी के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को ईडी ने हिरासत में डाल रखा है। लालू प्रसाद यादव और ओमप्रकाश चौटाला पहले से जेल भुगत रहे हैं। झारखंड के कुछ अफसर भी जेल भुगत रहे हैं। ये लोग सब कौन हैं? ये सब गैर-भाजपाई नेता हैं। ये सब विरोधी दलों के अध्यक्ष या मुख्यमंत्री या अफसर रहे हैं? इनमें से किसका कितना दोष या अपराध है, यह तो अदालतें तय करती हैं लेकिन कितने गर्व और गौरव की बात है कि इनमें से एक भी आदमी ऐसा नहीं है, जो भाजपा का हो या सत्तारुढ़ दल का हो। यदि भाजपा के सभी नेता और कार्यकर्त्ता सचमुच ऐसे हों तो इससे बढ़कर आनंद की बात राष्ट्र के लिए क्या हो सकती है? लेकिन क्या ऐसा है? यह कैसे पता चले? या तो वे शपथ लेकर कहें कि वे दूध के धुले हुए हैं या वे यह दावा करें कि उन्होंने कभी रिश्वत नहीं ली है, या उन्होंने कभी टैक्स-चोरी नहीं की है या पैसे की अफरा-तफरी नहीं की है। ऐसा दावा करते हुए तो हमने किसी भी पार्टी के एक भी नेता को नहीं सुना है। हाँ, सिर्फ विरोधी नेताओं को सरकारें अपने दांव में फंसा लेती हैं। आज भाजपा अपने विरोधियों- कांग्रेसियों, आपियों, बसपाइयों और समाजवादियों- को अपने जाल में फंसा रही है तो कल जब सत्ता बदलेगी तो ये सब मिलकर क्या भाजपाइयों के लिए लंबा-चैड़ा जाल नहीं बिछा देंगे? क्या इससे भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी? नहीं, बिल्कुल नहीं। अपने विरोधियों पर छापे मारने के पहले यदि कोई प्रधानमंत्री अपने समर्थकों पर छापे डलवा दे तो वह असली सफाई कहलाएगी। दूसरों का घर साफ करने के पहले यदि अपना घर साफ न करें तो लोग आपकी मजाक उड़ाए बिना नहीं रहेंगे। आपकी उस सफाई को लोग राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई समझेंगे। जनता में उसकी एकदम उल्टी प्रतिक्रिया भी हो सकती है। जनता उनके अपराध को अनदेखा कर देगी और उनके लिए सहानुभूति के बादल बरस पड़ेगे जैसे कि चरणसिंह द्वारा इंदिरा गांधी की गिरफ्तारी पर बरसे थे। क्या भारत में किसी पार्टी की कोई ऐसी सरकार कभी बनेगी, जो अपने नेताओं पर सबसे पहले छापे मारे और उन्हें गिरफ्तार करे। पंजाब में आप पार्टी ने यह कर दिखाया है लेकिन अपने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री को वह पद्मविभूषण के लायक बता रही है और कांग्रेस भी अपने दोनों मालिकों के प्रति पूर्ण भक्तिभाव दिखा रही है। यह हो सकता है कि गहन जांच के बाद ये लोग दोषी साबित हो जाएं लेकिन फिर भी यह सवाल बना ही रहेगा कि सिर्फ ये ही क्यों?

राजनीतिक नैतिकता के नए पैमाने

इससे एक तरफ यह धारणा बन रही है कि विपक्षी पार्टियों के नेता भ्रष्ट हैं इसलिए केंद्रीय एजेंसियां उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं तो दूसरी ओर यह धारणा भी बन रही है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्तारूढ़ दल के हाथ का खिलौना बन गई हैं और उनका इस्तेमाल राजनीतिक बदला निकालने के लिए किया जा रहा है। अगर इस धारणा को नहीं बदला गया तो जल्दी ही राजनीति के विशाल दलदल में पार्टियों के साथ साथ एजेंसियां और संवैधानिक संस्थाएं भी लथपथ दिखाई देंगी।

भारत में राजनीतिक नैतिकता का एक पैमाना लाल बहादुर शास्त्री ने गढ़ा था। उनके रेल मंत्री रहते एक दुर्घटना हुई थी और उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उसके बाद इस तरह इस्तीफा देना मुख्यधारा की राजनीतिक प्रवृत्ति नहीं बनी फिर भी नैतिकता का एक उच्च पैमाना बना रहा। नेता सही-गलत की जिम्मेदारी लेते थे। दुर्घटनाओं पर भले किसी ने इस्तीफा नहीं दिया हो पर आरोप लगने पर इस्तीफा देने का चलन तो हाल के दिन तक था। लेकिन पिछले आठ साल में नैतिकता के पैमाने बदल गए हैं। आरोप लगने पर इस्तीफा देने का चलन थोड़ा पहले बंद हुआ था और अब गिरफ्तार होने पर भी इस्तीफा नहीं देने का चलन शुरू हो गया है। याद करें केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद उनके एक मंत्री के ऊपर बलात्कार का आरोप लगा था। लेकिन उनका इस्तीफा नहीं कराया गया था। बाद में उनको हटाया गया लेकिन आरोपों पर इस्तीफा नहीं हुआ। उसके बाद ऐसे अनेक मौके आए और भाजपा ने यह मैसेज बनवा दिया कि भाजपा की सरकारों में आरोपों पर इस्तीफे नहीं होते।

यह राजनीतिक नैतिकता के स्थापित और मान्य पैमाने से दूर हटने की शुरूआत थी। उससे कुछ दिन पहले तक आरोपों की वजह से इस्तीफे होते थे। आखिर मनमोहन सिंह की सरकार ने संचार घोटाले में केंद्रीय मंत्री ए राजा का इस्तीफा कराया था, यह अलग बात है कि मौजूदा सरकार के समय ए राजा सभी आरोपों से बरी हो गए। कांग्रेस ने आदर्श घोटाले में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का इस्तीफा कराया था। खुद भाजपा ने भी एक समय भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का इस्तीफा कराया था। मायावती की सरकार के अनेक मंत्रियों ने लोकायुक्त की रिपोर्ट में नाम आने के बाद इस्तीफा दिया था। लेकिन पिछले आठ साल में एक बड़ा बदलाव यह हुआ कि आरोप लगने पर इस्तीफा देने का चलन बंद हो गया है। सभी पार्टियों ने यह सार्वजनिक स्टैंड ले लिया है कि हमारा नेता भ्रष्ट नहीं है, जो भ्रष्ट है वह दूसरी पार्टी में है। इस तरह सबको यह सुविधा हो गई कि वह दूसरी पार्टी के आरोपी नेताओं को भ्रष्ट बताए और अपनी पार्टी के आरोपियों का खुल कर बचाव करे। इस मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ट्रेंड सेटर हैं। उन्होंने आगे बढ़ कर रास्ता दिखाया और देश की दूसरी पार्टियां उस रास्ते पर चल पड़ी हैं। केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर आए अपने नेताओं के प्रति बिना शर्त समर्थन दिखाने का चलन ममता ने ही शुरू किया। उन्होंने सिर्फ समर्थन नहीं दिखाया, बल्कि सीबीआई से लड़ने के लिए उसके राज्य कार्यालय तक चली गई थीं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और राज्य के अधिकारियों से सीबीआई का विरोध कराया। घटना पिछले साल की है, जब सीबीआई ने उनकी सरकार के मंत्री फिरहाद हाकिम, मदन मित्रा आदि को गिरफ्तार किया था। तब ममता छह घंटे तक सीबीआई कार्यालय में बैठी रही थीं और गिरफ्तार होकर जेल जाने के बावजूद उन्होंने मंत्रियों को पद से नहीं हटाया। इससे पहले ऐसा नहीं होता था।

ममता बनर्जी ने पिछले साल अपने गिरफ्तार मंत्रियों को पद पर बनाए रख कर देश की बाकी पार्टियों को रास्ता दिखाया और अब कई पार्टियां उस रास्ते पर चल रही हैं। दिल्ली की 'कट्टर ईमानदार' सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है। उनके ऊपर हवाला के जरिए पैसे का लेन-देन करने का आरोप है और उनको धन शोधन के बेहद सख्त कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनको मंत्री पद से हटाने से इनकार कर दिया है। ममता के बताए रास्ते पर चलते हुए केजरीवाल ने उनको मंत्री बनाए रखा है और खुल कर उनका समर्थन भी किया है। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करके जैन को क्लीन चिट दी और कहा है कि वे इतने योग्य और ईमानदारी नेता हैं कि उनको पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए। पता नहीं केजरीवाल ने जैन के लिए देश का दूसरा सर्वोच्च सम्मान क्यों मांगा, वे सर्वोच्च सम्मान यानी भारत रत्न भी मांग सकते थे। आखिर उनकी नजर में सत्येंद्र जैन महान 'देशभक्त' हैं। बहरहाल, केजरीवाल से पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी ममता के बताए रास्ते पर चल कर मिसाल बनाई है। उनकी सरकार के मंत्री नवाब मलिक गिरफ्तार हैं और महीनों से जेल में बंद हैं, लेकिन उद्धव ने उनको मंत्री पद से नहीं हटाया है। हालांकि उनके विभागों का प्रभार दूसरे मंत्री को दे दिया गया है लेकिन मलिक बिना विभाग के मंत्री के तौर पर जेल में बंद हैं। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने ऐसा रवैया अनिल देशमुख के लिए नहीं दिखाया था। देशमुख उनकी सरकार के गृह मंत्री थे। उनके ऊपर भी कई किस्म के आरोप लगे और वे भी गिरफ्तार होकर जेल में हैं पर उद्धव ने उनको मंत्री पद से हटा दिया था। संभवतः उसके बाद उनको ममता बनर्जी के फॉर्मूले का ध्यान आया। सोचें, इससे पहले कितने मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने भ्रष्टाचार के आरोप में फंसने या गिरफ्तार होने के बाद पद से इस्तीफ दिया था! लालू प्रसाद से लेकर अशोक चव्हाण और बीएस येदियुरप्पा से लेकर मदनलाल खुराना तक अनेक मुख्यमंत्रियों की मिसालें हैं, जिनको आरोप लगने के बाद हटना पड़ा था।

लालकृष्ण आडवाणी और मदन लाल खुराना का नाम तो जैन हवाला डायरी में लिखा मिला था और इसी आधार पर आडवाणी ने लोकसभा से और खुराना ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। लेकिन राजनीतिक नैतिकता के जो नए पैमाने गढ़े जा रहे हैं उनके मुताबिक गिरफ्तार होने के बाद भी पद से इस्तीफा नहीं देना स्वीकार्य हो गया है। यह सिर्फ पक्ष और विपक्ष की पार्टियों के बीच टकराव का मुद्दा भर नहीं है। यह देश की राजनीतिक व्यवस्था और अपराध-न्याय प्रक्रिया से जुड़ी सभी एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं की साख का मामला भी है। यह राज्यों की पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियों और न्यायपालिका तीनों के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। विपक्षी पार्टियां अगर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के बावजूद अपने नेताओं का इस्तीफा नहीं करा रही हैं तो उसका आधार यही है कि एजेंसियां सत्तारूढ़ दल के इशारे पर विपक्षी नेताओं को परेशान कर रही हैं। इससे एजेंसियों की धाक और साख दोनों को धक्का लग रहा है। इससे एक तरफ यह धारणा बन रही है कि विपक्षी पार्टियों के नेता भ्रष्ट हैं इसलिए केंद्रीय एजेंसियां उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं तो दूसरी ओर यह धारणा भी बन रही है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्तारूढ़ दल के हाथ का खिलौना बन गई हैं और उनका इस्तेमाल राजनीतिक बदला निकालने के लिए किया जा रहा है। अगर इस धारणा को नहीं बदला गया तो जल्दी ही राजनीति के विशाल दलदल में पार्टियों के साथ साथ एजेंसियां और संवैधानिक संस्थाएं भी लथपथ दिखाई देंगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मोबाईल चुराने के शक में चार युवकों ने की युवक की निर्मम हत्या

कलवा पुलिस ने 12 घंटों के भीतर चारों आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

कलवा। मोबाइल चुराने के शक में चार युवकों द्वारा की गई निर्मम हत्या का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कलवा विभाग के एसीपी व्यंकट आधळे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक गत 1 मई बुधवार श्याम 7:40 मिनट पर कंट्रोल रूम से फोन आया कलवा भास्कर नगर में झाड़ियों के बीच एक युवक की लाश संदिग्ध हालत में देखी गई है सूचना मिलते ही कलवा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनोहर अवार्ड ने 4 नंबर बीट मार्शल को घटनास्थल पर भेज दिया उन्होंने वहां देखा कि एक युवक बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ है उन्होंने तुरंत कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भेज दिया वहां पर डॉक्टर द्वारा जांच करने के बाद युवक को मृत्यु घोषित कर दिया गया डॉक्टर द्वारा बताया गया है युवक के बदन, सर पर चोट के निशान है और युवक को बेल्ट और डंडों से पीटा गया है शरीर से खून की मात्रा ज्यादा बह जाने के बाद युवक की मृत्यु हो गई है उसके बाद कलवा पुलिस स्टेशन ने

मृतक फरीद वाजिद शेख

इस मामले में रजि:नं:265/22 भारतीय दंड संहिता सीआरपीसी आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी कलवा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनोहर अवार्ड के मार्गदर्शन में टीमें बनाई गई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी पुलिस को ज्यादा वक्त मृतक की पहचान करने में नहीं लगा मृतक की शिनाख्त फरीद वाजिद शेख वर्ष 26 रहवासी सम्राट अशोक नगर कलवा का बताया जा रहा है पुलिस की गहन पूछताछ इस पूरे इलाके में करने के बाद यह पता चला है कि यह युवक की हत्या चार युवकों द्वारा मोबाइल चोरी के शक में की गई है पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इन चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया गिरफ्तार आरोपी के नाम आबिद अशफाक शेख, सोहेल मोहम्मद लतीफ शेख, अलाउद्दीन नजरुल शेख, सरफरोश सिराज अंसारी यह चारों युवकों को कलवा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां पर न्यायालय ने 5 मई रविवार तक पुलिस हिरासत में रहने के आदेश दिए यह युवक को मोबाइल तूने लिया है और मोबाइल वापस दे इसी कारण चार युवकों ने मिलकर बेल्ट से लाठी-डंडों से बुरी तरह से पिटाई कर दी इंटरनल ब्लीडिंग होने से इस युवक की मौत हो गई है इन चारों आरोपियों को युवक को पीटते हुए लोगों ने भी देखा है और इस युवक के बारे में बताया जा रहा है कि वह जन्म से ही कलवा भास्कर नगर में ही रहता है कलवा पुलिस का सराहनीय काम को अंजाम देने वाले कलवा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनोहर अवार्ड, क्राइम के पुलिस निरीक्षक असगांवकर, सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश शिरसाट, पुलिस उप निरीक्षक अनीता वराडे, बगदाणा, गुगे, मंगेश महाजन, पुलिस हवलदार प्रदीप शिंदे, गणेश, रामराजे, अनिल खुसपे, संदीप महाडिक, सुनील गौरव, स्वप्निल कपाले, इन लोगों द्वारा यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

आगामी मनपा चुनाव को देखते हुए मनसे कार्यकर्ता इरफान सैयद फुल एक्शन मोड में किया, एनसीपी पर और मनपा प्रशासन पर नाले में लबालब भरे कचरें को लेकर किया प्रहार, कहां मनपा प्रशासन और पूर्व नगरसेवकओ के कार्यालय को कचरो से भर देंगे

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आगामी मनपा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है हर विपक्षी पार्टी सत्ता धारी पार्टी एनसीपी को पटकनी देने पर उतारू हो गई है और अपना वर्चस्व बनाने की तैयारी की जा रही हैं आगामी मनपा चुनाव का फिलहाल ऐलान तो नहीं किया गया है लेकिन बताया जा रहा है मानसून के बाद ही आगामी मनपा चुनाव का ऐलान किया जा सकता है आगामी चुनाव को करीब आते हुए देख मनसे पार्टी भी अपनी किस्मत आजमाने मैदान में उतर गई हैं और चारों तरफ से एनसीपी को घेरने की शुरूआत कर दी है दरअसल आपको बताते चलें मनसे पार्टी के कार्यकर्ता इरफान सैयद ने ठाकुरपाड़ा परिसर में नालो में लबालब भरे कचरो को आधार बनाकर एनसीपी पर प्रहार करना शुरू कर दिया उन्होंने खुले लफ्जों में एनसीपी के पूर्व नगर सेवकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा मुंब्रा में एनसीपी के नगर सेवकों ने सिर्फ अपने आलीशान बंगले और महंगी गाड़ियां जनता की टैक्स के पैसों से खरीदी है उन्होंने पूर्व नगरसेवकओ पर या आरोप लगाया है जनता के टैक्स के पैसों का इस्तेमाल अपने लिए किया है और किसी प्रकार का कोई भी विकास कार्य जनता के लिए नहीं किया गया है उन्होंने कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह

कचरों से भरा नाला

निर्माण मंत्री अल्पसंख्यक मंत्री जितेंद्र अवार्ड पर भी अपने शब्दों के बाण चलाना शुरू कर दिए और कहां क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह जायजा ले कि शहर में कचरो से नाले तो नहीं भरे हुए हैं आगामी मानसून का महीने की शुरूआत हो गई है मुंब्रा शहर के नालों की सफाई मनपा प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है ठाकुरपाड़ा परिसर की जनता ने स्थानीय पूर्व नगरसेवकको पर यह आरोप लगाया है कि नालों की सफाई यहां सालों से नहीं की गई है पिछले मानसून में इसी नाले का हिस्सा दब गया था और स्तिथि चिंताजनक बन गई थी क्योंकि नाले को लग कर ही कई इमारतें बिल्डर द्वारा बनाई गई है लेकिन बड़े अफसोस की बात है नालों की सफाई बिल्कुल भी नहीं की गई है मनसे कार्यकर्ता इरफान सैयद ने खुला आव्हान किया है अगर

मनसे पार्टी के कार्यकर्ता इरफान सैयद

मनपा प्रशासन नालों की सफाई नहीं करती तो वह कचरे से मनपा प्रशासन के कार्यालय को और पूर्व नगरसेवकओ के कार्यालय को कचरों से भर देंगे उन्होंने पूर्व नगर सेवकों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा है नगरसेवकओ द्वारा नालों की सफाई क्यो नहीं कराई गई जबकि करोड़ों रुपए का टेंडर कचरा सफाई विभाग को दिया जाता है तो यह करोड़ों रुपए किस की तिजोरी में गए हैं जो सुविधाएं मनपा प्रशासन द्वारा जनता के लिए दी जाती हैं आखिर यह सुविधाएं जनता को क्यों नहीं दी गई है जनता के टैक्स का पैसों का इस्तेमाल से नगर सेवकों द्वारा आलीशान बंगले बनाए जा रहे हैं और महंगी गाड़ी खरीदी जा रही है आखिर नगर सेवकों के पास आलीशान बंगले बनाने के लिए और महंगी गाड़ी खरीदने के लिए पैसा कहां से आया उनको मासिक वेतन कितना सरकार द्वारा दिया जाता है कहां से इतना पैसा नगर सेवकों के पास आ रहा है कि वह अपने आलीशान बंगले और महंगी गाड़ी खरीद रहे हैं तो यह जनता के ही पैसों से अपने आलीशान बंगले और महंगी गाड़ियां खरीद रहे हैं और विकास के नाम पर जनता को बाबाजी का ठुल्लू दे रहे हैं उन्होंने मनपा प्रशासन को और पूर्व नगर सेवकों को चेतावनी दी है अगर जल्दी नाले की सफाई ठाकुरपाड़ा परिसर में नहीं की गई तो सारा कचरा मनपा प्रशासन के कार्यालय में और पूर्व नगरसेवकओ के कार्यालय में भर दिया जाएगा यह मनसे के छोटे कार्यकर्ता का आव्हान है अब देखना यह है मनसे पार्टी के छोटे कार्यकर्ता इरफान सैयद ने मनपा प्रशासन को और पूर्व नगरसेवक को चेतावनी दे डाली तो क्या मनपा प्रशासन कि मुंब्रा प्रभाग समिति और पूर्व चार नगरसेवक ठाकुरपाड़ा परिसर के नाले की सफाई करते हैं या नहीं यह तो समय ही बताएगा गौरतलब बात तो यह है जिस प्रकार मुंब्रा शहर में नालों में कचरे लबालब टनो के हिसाब से नजर आ रहे हैं इससे साफ नजर आता है कि आने वाले मानसून में मुंब्रा शहर में पानी ही पानी नजर आएगा जिसका खामियाजा बेचारी जनता को भारी नुकसान के साथ भुगतना पड़ेगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई: युगांडा की महिला के शरीर से निकाले गए तीन करोड़ रुपये कीमत के मादक पदार्थों के 64 कैप्सूल

उन्होंने बताया कि युगांडा से मुंबई में एक संदिग्ध महिला के आगमन की विशेष सूचना के आधार पर 28 मई को चलाए गए एक अभियान के तहत उसे पकड़ा गया था। अधिकारी ने बताया, महिला का पता लगाने के बाद उसके सामान में जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बारीकी से जांच करने पर पता चला कि वह अपने शरीर में मादक पदार्थ छिपाकर ले जा रही थी। उन्होंने कहा लगातार पूछताछ करने पर महिला ने स्वीकार किया कि विभिन्न प्रकार के चिपकने वाले टेप के उपयोग से उसके शरीर में 11 कैप्सूल छिपाए गए थे। 110 ग्राम हेरोइन युक्त कम से कम 10 कैप्सूल हटा दिए गए थे और शेष की निकासी के लिए जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एनसीबी अधिकारी ने बताया कि 28 मई से पांच जून के बीच, कुल 54 कैप्सूल निकाले गए, जिसमें 425 ग्राम हेरोइन के 39 कैप्सूल, 175 ग्राम कोकीन वाले 15 कैप्सूल शामिल थे, जिससे उसके शरीर से निकाले गए कैप्सूल की कुल संख्या 64 हो गई। उन्होंने बताया कि फिलहाल महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। महिला को तस्करी रैकेट जिसका वह हिस्सा है उसकी जांच के लिए एनसीबी कार्यालय लाया जाएगा।

उद्धव ठाकरे की चेतावनी

फरवरी के बाद पहली बार, महाराष्ट्र ने बुधवार को 1,000 से अधिक दैनिक कोविड -19 मामले दर्ज किए। राज्य भर में दर्ज किए गए 1,081 संक्रमणों में से, मुंबई में 68 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। अशोक विश्वविद्यालय में भौतिकी और जीव विज्ञान के प्रोफेसर गौतम मेनन ने कहा कि लोग फिर से संक्रमित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए संस्करण, इअ.4 और इअ.5, इअ.2 वैरिएंट की तुलना में और भी अधिक पारगम्य हैं। बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल इस महीने के अंत या जुलाई की शुरूआत में कोविड-19 की संख्या कम होने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में एक महीने से दिल्ली की तर्ज पर केसेस मिल रहे हैं। दिल्ली में किसेस बढ़े और फिर तेजी से कम हो गए। इसी तरह मुंबई में भी हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को मास्क पहनना शुरू कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग से कहा कि एक बार वे फिर से कोविड काल में बनाए गए फील्ड अस्पताल की जांच कर लें। राज्य में चिकित्सा कर्मचारी और आवश्यक बुनियादी ढांचा है या नहीं, इसका भी मुआयना करें। जल्द ही स्कूल शुरू हो जाएंगे।

मुंबई में बेवजह हॉर्न बजाने वालों की शामत

दहिसर ट्रैफिक पुलिस से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शहर की कुछ प्रमुख सड़कों पर चलाए गए अभियान के पहले दिन 2,764 मोटर चालकों को दंडित किया गया है। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, नए नियम के लागू होते ही यह 1,000 रुपये तक वसूल किया जा सकता है। यातायात पुलिस ने 9 जून से गाड़ी चालक और उस पर बैठे दूसरे व्यक्ति को हेल्मेट पहनना अनिवार्य किया है। अगर नियम का पालन नहीं किया गया, तो खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। हालांकि, डीसीपी राज तिलक रौशन ने कहा कि इस बारे में यातायात पुलिस लोगों को हेल्मेट के नियम की जानकारी दे रही है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे बिना हेल्मेट पहन कर गाड़ी नहीं चलाएं।

कश्मीर में आतंकियों को दिलवाता था ट्रेनिंग...

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, महाराष्ट्र एटीएस की टीम जुनैद के संपर्कों की जांच करने के लिए जम्मू-कश्मीर में मौजूद है। जुनैद को देश के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए आतंकवादियों की भर्ती करने की जिम्मेदारी दी गई थी। अधिकारियों ने बताया था कि एटीएस ने 28 वर्षीय जुनैद मोहम्मद अता मोहम्मद को 24 मई को पुणे के दापोडी इलाके से गिरफ्तार किया गया था। उसे तीन जून तक के लिए एटीएस की हिरासत में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि जुनैद कथित तौर पर पाकिस्तान से संचालित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी नेटवर्क के सक्रिय सदस्यों से सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से जुड़ा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि जुनैद मोहम्मद को विभिन्न राज्यों से लश्कर-ए-तैयबा के लिए नये सदस्यों की भर्ती करने का काम दिया गया था।

जुहू में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

जुहू पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा 'आरोपी शेखर नायर (55) की कनौजिया से बहस शुरू हुई। इसके बाद उसकी कनौजिया की सास से भी बहस हुई। इसी बीच उसने चाकू निकाला और दोनों पर हमला कर दिया। कनौजिया की मौके पर ही मौत हो गई और आरोपी नायर को गिरफ्तार कर लिया गया।'

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ब्यावर ने हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को प्राचीन मंदिर बताने वाले महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यवर्धन सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के सबसे बड़े मरकज महान सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के लिए महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यवर्धन सिंह राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम मनगदंत तथ्य बनाकर पवित्र दरगाह को प्राचीन हिंदू मंदिर बताया। उसने अजमेर दरगाह के दीवारों एवं खिड़कियों पर स्वास्तिक के चिन्ह मिलने एवं हिंदू धर्म से संबंधित अन्य चिन्ह प्राप्त होने की अफवाह वाला पत्र लिखा, साथ ही सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से इन्हें देश भर में प्रसारित किया। राज्यवर्धन सिंह ने अजमेर दरगाह में हजारों समर्थकों के साथ पहुंचने की धमकी भी दी जबकि देश के प्रतिष्ठित अखबार दैनिक भास्कर ने अजमेर दरगाह से संबंधित इस दावे की अच्छे से जांच पड़ताल करने के बाद इस दावे को पूर्णता खारिज कर फर्जी बताया है। अजमेर दरगाह में आस्था रखने वाले करोड़ों जायरीनो की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देश में दंगा भड़काने की नियत से अजमेर दरगाह के फोटो के साथ छेड़छाड़ कर कंप्यूटर व मोबाइल के जरिए झूठे कूट रचित फोटो तैयार कर पूरे देश में प्रसारित किए। हिंदू समुदाय के लोगों में पवित्र दरगाह के प्रति नफरत फैलाने व दरगाह को बदनाम करने के उद्देश्य से अजमेर दरगाह को हिंदू मंदिर बता कर मुस्लिम समुदाय के करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। राज्यवर्धन सिंह परमार एवं इस साजिश में शामिल अन्य सभी दोषियों के विरुद्ध सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, दंगा भड़काने के उद्देश्य से दरगाह के वास्तविक तथ्यों के साथ छेड़छाड़ कर फैलाने, मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने, भ्रम फैला कर लोगों को दरगाह में इकट्ठा करने की धमकी देने वाला राज्यवर्धन सिंह के खिलाफ पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ब्यावर ने मुकदमा दर्ज कराया, अजमेर जिला अध्यक्ष रियाज हुसैन।

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव एवं विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। आजादी के अमृत महोत्सव और विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 3 जून को शहर में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। भारत सरकार के तहत युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, जिला प्रशासन और जिला खेल अधिकारी कार्यालय की ओर से रैली का आयोजन गया था.कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एस. राममूर्ति मुख्य अतिथि थे, जबकि सहायक आयुक्त डॉ. अनिता राठौर मौजूद थे। अतिरिक्त जिल्हा आरोग्य अधिकारी डॉ. राजेद्र सांगळे, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्री. राठोड, क्रीडा अधिकारी रविंद्र धारपवार, क्रीडा प्रशिक्षक विजय वानखेडे, राजेश डिडोळकर, माजी प्राचार्य प्रफुल मोहरील, डॉ. लता भोसले, निवासी वैद्यकीय अधिकारी डॉ.यास्मीन चौधरी, प्रजापिता ब्रम्हकुमारीच्या बी.के. उर्मीला, क्रीडा प्रशिक्षक मनोज श्रीवास व प्रशांत सोनोने उपस्थित थे। इस अवसर पर जिले के साइकिल चालक संजय मयूर, जिन्होंने हाल ही में साइकिल से कश्मीर से कन्याकुमारी तक 13 देशों की यात्रा की है, जिन्हें गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। साइकिल रैली जीजामाता स्पोर्ट्स एंड ट्रेड कॉम्प्लेक्स से शुरू हुई। रैली जयस्थंभ चौक, स्टेट बैंक चौक, सोसाइटी पेट्रोल पंप से सर्कुलर रोड, फिर चिंचोले चौक फिर विश्राम भवन के सामने दोबारा जीजामाता स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रैली समाप्त हुई। रैली में बड़ी संख्या में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राएं, बुलडाना साइकिल क्लब के सभी सदस्य, खिलाड़ी एवं युवा शामिल थे।

गुस्से ने बनाया हत्यारिन: नांदेड़ में पति ने मायके जाने से रोका

नाराज पत्नी ने अपने बेटे और बेटी की गला दबाकर की हत्या

संवाददाता

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले से एक दिल-दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां मायके जाने से रोकने पर एक महिला ने अपने 2 साल के बेटे और चार महीने की बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद महिला ने शव को नष्ट करने के लिए अपने मां और भाई की मदद ली और चुपके से उनका अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस निरीक्षक विकास पाटिल ने बताया कि घटना नांदेड़ जिले के पांडुराना (ताल भोकर) में हुई। पुलिस ने निर्दयी मां समेत उसके भाई व मां को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मां की पहचान धुरपाड़ा गणपत निमवाड़ (30) के रूप में हुई है। मारे गए बच्चे की पहचान दत्ता गणपत निमवाड़ (2) और अनसुइया (चार महीने) के रूप में हुई है। यह दिल दहलाने वाली वारदात 31 मई की रात करीब 10 बजे तब हुई, जब परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। दिन में पति ने महिला को उसके मायके जाने के लिए मना किया था। परिवार के लोगों के सोने के बाद महिला अपने दोनों बच्चों को चुपके से लेकर निकल रही थी, इतने में बेटी अनसुइया रोने लगी। महिला को लगा कि उसका पति उठ जाएगा और उसकी पिटाई करेगा। इस डर से उसने पहले घर से निकलते हुए बेटी की गला घोट कर हत्या की और फिर

उसके शव को गांव के बाहर मौजूद एक ब्रिज के पास जमीन में दबा दिया।

बेटे को पति न ले जा सके, इसलिए की हत्या

अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अर्चना पाटिल ने बताया कि 1 जून की सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच महिला अपने बेटे दत्ता को लेकर मुदखेड़ के पास ब्राह्मणवाड़ा गांव पहुंची। महिला के घर से जाने की जानकारी पति को मिल चुकी थी और वह उसे लेने के लिए घर से निकला था। रास्ते में उसने अपनी पत्नी और बेटे को ब्राह्मणवाड़ा शिवरा में गुरुद्वारा के पास गन्ने के खेत में देखा। पति को देख महिला वहां से भागी और गन्ने के खेत में छिप गई। पति उन्हें खोज ही रहा था कि खेत के बीच से बच्चे के चीखने की आवाज आई और कुछ देर बाद जब पति वहां पहुंचा तो बच्चा मरा हुआ मिला।

बेटी का शव मिटाने के प्रयास में फंसी महिला

इसके बाद महिला अपने मायके पहुंची और अपने भाई, मां के साथ अपनी बेटी के शव को निकालने के लिए अपनी ससुराल गई। तीनों ने जमीन में गड़ी बच्ची के शव को निकाला और फिर मामला छिपाने के लिए उसे जला दिया। उन्हें ऐसा करते हुए कुछ ग्रामीणों ने देखा और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अर्चना पाटिल और पुलिस निरीक्षक विकास पाटिल मौके पर पहुंचे और जले हुए शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद महिला, उसकी मां कोंडाबाई और भाई माधव को अरेस्ट किया गया। कड़ाई से पूछताछ में तीनों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

रायगढ़ में एक महिला ने अपने 6 बच्चों को मारा था

इससे पहले रायगढ़ जिले में सोमवार को एक मां ने अपने छह बच्चों को कुएं में फेंक दिया था। महिला का अपने पति से विवाद चल रहा था और ससुर, उसके दोस्तों ने उसकी पिटाई कर दी थी। बच्चों को कुएं में फेंकने के बाद महिला ने कुएं में कूद जान भी देने का प्रयास किया था। हालांकि, उसे बचा लिया गया था।

मुस्लिम महासंघ सहित अन्य संगठनों ने हुजूर पाक की शान मे गुस्ताखी और गरीब नवाज दरगाह मामले में झूठी अफवाह फैलाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने हुजूर पाक हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो तआला अलैहि वसल्लम की शान में गुस्ताखी करने वाली नूपुर शर्मा की कड़ी शब्दों में निंदा की और बताया कि हम इस्लाम धर्म को मानने वाले हैं इस्लाम की आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो तआला अलैहि वसल्लम जो पूरी दुनिया के लिए रहमत बनकर आए 28 मई 2022 को बीजेपी की नेशनल स्पोर्ट पर्सन नूपुर शर्मा ने टेलीविजन के लाइव शो में जानबूझकर नबी करीम हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो तआला अलैहि वसल्लम की शान में गुस्ताखी की दुनिया भर मे इस्लाम धर्म को मानने वाले हम मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई तथा दो समुदाय में विद्वेष फैलाने का काम किया! और साथ ही महाराणा प्रताप सेना का अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने अजमेर दरगाह के बारे में झूठी मनगढंत अफवाह फैला कर कौमी एकता के सबसे बड़े केंद्र महान सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को हिंदू मंदिर बता कर देश में सांप्रदायिक भावना को भड़काने की कोशिश की है जो कि ना काबिले बर्दाश्त है। ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुस्लिम महासंघ, अंजुमन राजस्थान ने मिलकर कलेक्टर के मार्फत राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप एफआईआर कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई! इस मौके पर मुस्लिम महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्ष, राष्ट्रीय महासचिव के आर सिद्दिकी, अंजुमन कमेटी राजस्थान से खलील खान, प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान, जिलाध्यक्ष मुजिबुद्दीन खान, मुर्तजा अंसारी, फैसल, उमर, मोहम्मद हफीज शाह बरकाती, मोहम्मद इस्माइल खान, सैयद अशफाक अली, शादाब पार्षद आदि मुस्लिम महासंघ व अन्य संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बंद को लेकर कानपुर में सांप्रदायिक हिंसा, पथराव और फायरिंग

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। आज यहां राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के आगमन के बाद भाजपा प्रवक्ता के बयान में कानपुर में सांप्रदायिक हिंसा करा दी इस दौरान परेड चौराहा यतीम खाना आज इलाकों में जमकर पथराव किया गया। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया इस दौरान उसे हालातों पर नियंत्रण पाने के लिए रिचार्ज लाठी चार्ज फायरिंग का भी सहारा लेना पड़ा। परेड चौराहे पर दो समुदायों के बीच झड़प हुई। जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आज शुक्रवार को दोपहर बाद कानपुर के यतीम खाने में दुकान बंदी को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए जमकर ईंट पत्थर चले। कई राउंड फायरिंग भी हुई। भाजपा प्रवक्ता के बयान के बाद हुई। इस बीच कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मोर्चा संभाले हुए हैं। हालात भी बहुत तनावपूर्ण है जबकि प्रशासन ने नियंत्रण पाने का दावा किया है।

कूड़ा उठाने वाले तीन लोगों पर होटल कर्मचारी ने खौलता पानी डाला, 2 की मौत

पुणे। पुणे में इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां कूड़ा उठाने गए तीन लोगों पर होटल के एक कर्मचारी ने खौलता हुआ पानी फेंक दिया। इसमें बुरी तरह से झुलसने पर दो लोगों की मौत हो गई है और एक शख्स गंभीर हाल में हॉस्पिटल में एडमिट है। पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को अरेस्ट कर लिया है और होटल को सील करने की तैयारी भी की जा रही है। यह दिल दहला देने वाली घटना पिछले सप्ताह की है, लेकिन मामले का खुलासा मंगलवार को एक पीड़ित की मौत के बाद हुआ है। वारदात पुणे के सासवड इलाके में 25 मई को हुई है। होटल संचालक नीलेश उर्फ पप्पू जगताप के खिलाफ भी केस दर्ज करने की मांग की जा रही है। लोगों का आरोप है कि पुलिस स्थानीय विधायक के दबाव में आरोपियों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। होटल संचालक फिलहाल फरार है। इस घटना की जानकारी देते हुए कूड़ा उठाने वाली एक बुजुर्ग महिला का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो वारदात के ठीक बाद का है। बुजुर्ग महिला की पहचान श्वेताबाई के रूप में हुई है। वह मराठी भाषा में आपबीती बता रही हैं। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। इसी वीडियो के आधार पर होटल कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कर सासवड पुलिस ने देर रात उसे गिरफ्तार किया है। इस घटना का एक और वीडियो भी सामने आय है, इसमें एक शख्स सीढ़ियों पर बेहोश होकर नजर आ रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स के हाथ और शरीर पर गंभीर चोट आई है। यह वारदात सासवड थाने से चंद कदमों की दूरी हुई है। यही वजह है कि पुलिस पर मामले को छिपाने का आरोप लग रहा है। मामले की जांच कर रहे पुलिस इंस्पेक्टर कदम ने बताया कि पप्पू जगताप के होटल के पास अहिल्या देवी मार्केट में कूड़ा उठाने वाले तीन लोग बैठा करते थे। इसी से नाराज पप्पू जगताप नाम के शख्स ने तीनों को पहले डंडे से पीटा और फिर अपने एक कर्मचारी से उन पर खौलता हुआ पानी फेंकने को कहा।

पंचर बनाकर जोड़ी रकम और बेटों को पढ़ाकर सेना में भेजा

परवेज की राष्ट्रभक्ति को सभी कर रहे सलाम

संवाददाता

मुंबई। भिवंडी के भंडारी कंपाउंड में पंचर की दुकान से परिवार चलाने वाले परवेज खान ने राष्ट्रभक्ति की सच्ची मिसाल पेश की है। देश सेवा के लिए समर्पण क्या होता है इसकी मिसाल परवेज खान नेअपने दोनों बेटों को सेना में भर्ती होने पर पेश की है। उनके दोनों बेटे जहां थल सेना में भर्ती हो चुके हैं, वहीं बेटी भी थल सेना में जाने की तैयारी कर रही है। सेना में शपथ ग्रहण के बाद घर लौटने पर बेटे का भिवंडी में जोरदार स्वागत किया गया। स्थानीय नगर सेवक यशवंत टावरे ने परवेज के बेटे की घर वापसी पर खुली जीप में बैठाकर जुलूस निकाला। इस जुलूस में शहर के रतन टॉकीज से भंडारी कंपाउंड तक जहां हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए, वहीं जगह-जगह उसकी आरती उतारकर आतिशबाजी की गई। यूपी के रहने वाले परवेज खान साइकिल के पंचर बनाते हैं। उन्होंने तय किया कि वे अपने तीनों बेटों को सेना में भेजेंगे। उनके इस सपने को पूरा करने में उनकी पत्नी ने भी उनका साथ दिया। परवेज का एक बेटा बीएनएन कॉलेज में एनसीसी का कैडेट था। थल सेना में जाने की तैयारी के दौरान ही एक दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। लेकिन परवेज ने हार नहीं मानी। उन्होंने दोनों बेटों के साथ बेटी को भी सेना में भेजने की ठान ली थी। उनके बड़े बेटे शहबान खान की 2015 में थल सेना में नियुक्ति हुई। वहीं 2020 में उनके छोटे बेटे रहमान खान की नियुक्ति थल सेना में हुई। जिसका भिवंडी में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक महेश चौघुले, मनपा सभागृह नेता सुमित पाटील एवं यशवंत टावरे आदि मौजूद रहे।

पुजारी ने पांच साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में पांच साल की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक मंदिर के बुजुर्ग पुजारी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। मां ने बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनी तो उसे घटना की जानकारी हुई। इसके बाद लोगों ने आरोपी पुजारी की जमकर पिटाई कर दी। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पुजारी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया, आरोपी पुजारी सुनील उर्फ सुन्ना उसकी बेटी को बहला फुसलाकर मंदिर ले गया। जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनकर मैं वहां पहुंची तब आरोपी उसके साथ गंदी हरकत कर रहा था। उसके शोर मचाने से आसपास के लोग वहां पहुंचे और उन्होंने आरोपी के साथ मारपीट कर दी। इस दौरान उसके सिर में भी चोट लग गई। पुलिस ने आरोपी पुजारी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पुजारी सुनील राजगढ़ के बहाली गांव का रहने वाला है। उसकी शादी नहीं हुई है। कई साल वह गांव के मंदिर में पुजारी का काम कर रहा था। लोगों का कहना है, पुजारी इस तरह का काम कर सकता है, इसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी। इधर, मासूम से दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद एसपी तेजस्वनी गौतम में देर रात घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़िता के मां सहित आसपास के लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा, पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। साथ ही आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

महिला पुलिस अधिकारी से पुलिस ने किया दुष्कर्म

शेगांव नगर व ग्रामीण थाने में अपराध दर्ज

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। पुलिस विभाग में कार्यरत 32 वर्षीय महिला पुलिस अधिकारी से पुलिस विभाग के शिपाई आकाश सुरेश वाघमारे ने महिला पुलसकर्मि के साथ दुष्कर्म करने का मामला शेगांव शहर थाने में मामला दर्ज किया गया। इससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इसी विभाग में चपरासी का काम करने वाले शेगांव के रहने वाले आकाश वाघमारे से पुलिस विभाग में कार्यरत 32 वर्षीय महिला पुलिस अधिकारी की जान पहचान हुई। 2016 से 2021 तक दोनों हमेशा फोन पर बातचीत किया करते थे। दिसंबर 2021 में, वाघमारे ने पीड़िता, महिला पुलिस अधिकारी को फोन करके शेगांव बुलाया। रिपोर्ट के मुताबिक, जब पीड़िता शेगांव गई तो पुलिस अधिकारी वाघमारे उसे एक निजी लॉज में ले गया उसके साथ

दुष्कर्म किया। किसी को इस बारे में बताने पर उसे और उसके पति को जान से मारने की धमकी दी। दहशत की स्थिति में पीड़िता ने उस समय शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। परंतु 30 मई 2022 को पुलिस आरक्षक वाघमारे ने पीड़िता को शारीरिक संबंध बनाने के लिए दोबारा फोन करके बुलाया। पीड़ित ने शेगांव थाने में जाकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर नगर पुलिस ने गुरुवार 2 जून को आरोपी आकाश वाघमारे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दे. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियो हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री आगमन से धन्य हुआ परौंख

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां शुक्रवार को कानपुर देहात का गांव परौंख और वहां के लोग धन्य हो गये। वजह बनी, देश के महामहिम राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द और प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी। इस दौरान सुरक्षा के इंतजाम बेहद कड़े रहे। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द आज शुक्रवार को अपने पैतृक गांव परौंख पहुंचे। उनके स्वागत में पहली बार प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी भी यहां आये। शायद पहली बार ऐसा संयोग भी हुआ कि राष्ट्रपति के गांव में प्रधानमंत्री की भी मौजूदगी रही। देश के दो दिग्गजों के परौंख में कार्यक्रम के लिए प्रशासन व्यवस्था पहले ही पूरी कर चुका था। इस गांव के लो ने भी इन दोनों दिग्गजों का जोरदार भाव भीना स्वागत किया। इस परौंख गांव के लिए पहला ऐतिहासिक पल तब आया था, जब यहां जन्मे राम नाथ कोविन्द 25 जुलाई 2017 को राष्ट्रपति बने। परौंख पिछले एक महीने से राष्ट्रपति के आगमन की प्रतीक्षा कर था, जो आज शुक्रवार को पूरी हो गई। आज शुक्रवार को दिल्ली से रवाना होकर राष्ट्रपति अपनी पत्नी सविता कोविन्द के साथ सबसे पहले कानपुर पहुंचे। यहां चकेरी एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल उनका स्वागत किया। यहां से राष्ट्रपति परौंख के हेलीपैड पर उतरे, जहां उनके साथ राज्यपाल भी रहीं। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1.40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से रवाना होकर परौंख पहुंचे। यहां उनके स्वागत

में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी यहां पहुंचे। यहां एसपीजी सुरक्षा के साथ भारी पुलिस बल तैनात और कार्यक्रम स्थल पर पंडाल में प्रशासनिक अफसरों का अमला भी मौजूद रहा। गांव में चप्पे चप्पे पर फोर्स तैनात है और मंच की सुरक्षा के लिए खास इंतजाम किए गए थे। कोई भी मंच तक न पहुंच सके, इसके लिए सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था। कार्यक्रम स्थल पर मंच पर अतिथियों के स्वागत के लिए पुलिस बैंड पार्टी भी बिल्कुल रही। परौंख के लोगों को महामहिम और प्रधानमंत्री को देखने का बेसब्री से इंतजार था। पुलिस की निगरानी में ग्रामीणों ने घरों की छतों पर पहले से ही डेरा जमा लिया था,जिनकी जांच भी कराई गई है। राष्ट्रपति के गांव परौंख पहुंच कर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले पथरी देवी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। यहां के बाद आंबेडकर पार्क गये। यहां पर उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण भी किया। फिर उन्होंने मिलन केंद्र (राष्ट्रपति का घर) पहुंच महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित बुकनू, बेसन व बाकी उत्पाद को देखा। मिलन केंद्र से वह जनसभा स्थल पहुंचे, वह यहां तकरीबन करीब एक घंटे तक रहे। इस जनसभा के बाद प्रधानमंत्री 3:45 बजे परौंख से हेलीकाप्टर से चकेरी आकर और यहां से दिल्ली चले जाने का कार्यक्रम पहले से ही तय था। जबकि राष्ट्रपति परौंख से लौटकर कानपुर में सर्किट हाउस में रात्रि प्रवास करेंगे और आज शनिवार को मर्चेंट चैंबर में कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद 11:30 बजे विमान से गोरखपुर रवाना हो जाएंगे।

मीना देवी जैसी माताएं और समाजसेवीकायें सदियों में जन्म लेती है : सुमेधानंद सरस्वती

मुंबई। सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने मुंबई स्थित मुरारका परिवार के निवास पर पहुंचकर, भामाशाह व उद्योगपति काशी प्रसाद मुरारका की धर्मपत्नी स्वर्गीय मीना देवी के निधन पर संवेदना व्यक्त की। मुंबई के गोरेगांव गोकुल नगर में स्थित मुरारका के निवास स्थान पर पहुंचे सांसद सुमेधानंद ने उद्योगपति काशी प्रसाद मुरारका उनके सुपुत्र, फिल्म निर्माता व देश के जाने-माने समाज सेवक एमपल मिशन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संचालक डॉ अनिल मुरारका छोटे सुपुत्र मनीष मुरारका सहित अन्य परिजनों को सांत्वना दी। सांसद ने राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ में 5 करोड़ की लागत से राजस्थान का एकमात्र एयर कंडीशन बस डिपो बनाकर लक्ष्मणगढ़ को पूरे प्रदेश में पहचान दिलाने हेतु स्वर्गीय मीना देवी को प्रेरणा के लिए श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी माताएं, ऐसी समाजसेवीकायें धरती पर सदियों में जन्म लेती है। इस मौके पर भाजपा के बल्हारा मंडल अध्यक्ष अमित शर्मा के साथ काशी मुरारका परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

आवारा कुत्तों के पकड़े जाने को लेकर विभागीय स्तर पर बनाया गया हैं प्लान

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अनेक मोहल्लों में आवारा कुत्तों का झुन्ड सक्रीय, कई बार आवारा कुत्तों के पकड़े जाने को लेकर विभागीय स्तर पर बनाया गया हैं प्लान, नहीं हो पा रही हैं कोई धड़पकड़,कुत्तों के झुन्ड से बच्चे एवं बड़ों में हैं भयभीत का माहौल नगर के अधिकांश मोहल्लों में आवारा कुत्तों के झुन्ड की भरमार हैं जो काफी सक्रीय हैं छोटे छोटे बच्चे अधिक्तर रास्तों में खेलते नजर आते हैं कभी कभी आवारा कुत्तों द्वारा उनके ऊपर हमलाकर बुरी तरह से जख्मी कर दिया जाता हैं साथ ही गम्भीर दशा को देखते हुए कुछ बच्चे मौत के घाट उतर चुके हैं नगर पालिका परिषद द्वारा कुत्तों के पकड़े जाने को लेकर अभियान भी चलाया जा चुका हैं जिनकों बधिया कर कुत्तों को पकड़े जाने की टीम द्वारा वहीं पर छोड़ दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने किया झोला छाप डाक्टरो के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता सुबहान अली

रामपुर। पंचायत पायल होटल कार्यालय रामपुर पर की गई जिसमें प्रमुख मांगे हैं बिजली विभाग अपनी मनमानी पर उतारू है स्वास्थ्य विभाग पर कोई कार्रवाई नहीं होती है झूला छाप डॉक्टरों को बढ़ावा देने वाले डॉक्टर दश लुधिअनिंह के कई सबूत वीडियो सूत्रों के मुताबिक दी गई जिसमें उन पर कोई संज्ञान नहीं हुआ सीएमओ एसपी सिंह को चाहिए ऐसे अधिकारियों का तबादला किसी दूसरे जिलों में होना चाहिए इसी तरह से

वन विभाग अपनी मनमानी पर उतारू है लंबे समय से इनकी शिकायत दी जा रही है जिनका कोई निशाना नहीं किया गया है 12 तारीख के तूफान में गिरी टूटी लकड़ी को खुलेआम बेचकर बंदरबांट किया गया है जिलाध्यक्ष संजोर अली पाशा ने कहां इनको अपना रवैया सुधार लेना चाहिए आदेश कटान चरम पर हैं क्योंकि इनके क्षेत्रीय अधिकारी हैं वह वन विभाग के बड़े अधिकारियों की सांठगांठ से खुलेआम अवैध तरीके से लकड़ी बेचकर बंदरबांट कर रहे हैं शिकायत करने पर भी नाही उस लकड़ी की जांच की गई और ना कोई रिकवरी की गई जिसकी शिकायत हमने मंडल मुरादाबाद अधिकारी विजय सिंह को दी थी रामपुर में वन विभाग किसानों के कामों को नहीं कर पाता वर्ल्ड के अवैध कामों में बंदरबांट खूब कर रहे हैं शिकायत देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जय जवान जय किसान मौके पर मौजूद रहे लोग लालता प्रसाद नासिर मियां विनय यादव कामरान खान मोहम्मद जाहिद असरार मियां लियाकत हुसैन साबरी सगीर अहमद खां अरुण का दिलशाद खान गुरनाम सिंह अखलाक भोला बस सभी पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

'बिहार राष्ट्रीय जनतादल की ओर से डॉक्टर मीसा भारती और डॉक्टर फैयाज अहमद राज्य सभा के उम्मीदवार'

मधुबनी/मो सालिम आजाद

बिहार। राजद की ओर से श्रीमती डॉक्टर मीसा भारती जी और डॉक्टर फैयाज अहमद ने राज्य सभा के लिये नामांकन पत्र दाखिल किया। सामाजिक आंदोलन के योद्धा आदरनीय लालू प्रसाद यादव जी के स्वास्थ्य और उनके सेवा सत्यकार को देखते हुए डॉ मीसा भारती को राज्यसभा में भेजना आवश्यक था। वहीं कभी राजद का गढ़ माने जाने वाले मधुबनी-दरभंगा जिला सहित मिथिलांचल में 2009 में मधुबनी से अब्दुल वारी सिद्दीकी साहब को चुनाव लड़ाने से डॉ शकील अहमद कांग्रेस, अली असरफ फातमी राजद की आपसी वर्चश्व के टकराहट में राजद का प्रदर्शन कमजोड़ होता चला गया। सायद राजद नेतृत्व इस बिखराव को पुनः संगठित करने के लिए अल्पसंखयक समाज से एक नये व्यक्ति मृदुभाषी, सरीफ, इमानदार, पार्टी हित में वफादार मुस्लिम चेहरा डॉ फैयाज अहमद को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है, जो आति आवश्यक एवं सराहनीय निर्णय है। इस नामांकन के अवसर पर सामाजिक न्याय आंदोलन के योद्धा एवं राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद जी, नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव जी, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री तेजप्रताप यादव जी सहित अन्य नेताओं के साथ पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद जी मौजूद रहे। दोनों प्रत्याशी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। साथ ही डा फैयाज अहमद साहब पर मधुबनी, झंझारपुर, दरभंगा सहित मिथिलांचल के संसदीय क्षेत्रों और विधानसभा क्षेत्रों में 2009 में हुई चूक से क्षति को भरपाई करते हुए राजद के खोए हुए जनाधार को समेटने की बहुत बरी जिम्मेदारी मिली है। आशा है मृदुभाषी एवं ईमानदार समाजसेवी उसे अपने कुशल रणनीति के तहत खोई हुई जनाधार को समेटने में सफल हेंगे। राजद ने आप पर अटूट भरोषा और विश्वास किया है।और राम सुदिष्ट यादव समाजवादी विचारक बिहार ने कहा की डॉक्टर फैयाज अहमद के नाम के ऐलान के साथ ही पूरे बिहार मे उन के चाहने वालो ने मोसररत का इजहार किया साथ ही मुल्क भर मे भी इस फैसले का मुसलमानो की जानिब से खैर मोकददम किया जा रहा है।

अगर आपकी स्किन भी है Sensitive तो फॉलो करें ये टिप्स

हर किसी की स्किन टाइप अलग-अलग होती है और उसकी देखभाल के तरीके भी। हालांकि जिन लड़कियों की स्किन सेंसिटिव होती है उन्हें ज्यादा देखभाल ही जरूर होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि सेंसिटिव स्किन अपने साथ कई तरह की परेशानियां जैसे- मुंहासे, रैशेज, खुजली आदि लेकर आती है इसलिए इसकी सही देखभाल बेहद जरूरी है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सेंसिटिव की देखभाल कैसे करनी चाहिए...

● क्लीनिंग है सबसे जरूरी

अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो रोजाना चेहरे की क्लीनिंग जरूर करें। इसके लिए सेंसिटिव स्किन के हिसाब से क्लेंजर लें और चेहरा साफ करें। आपके लिए माइल्ड सल्फेट फ्री क्लेंजर सही रहेगा क्योंकि इसस स्किन को नुकसान नहीं होता और पूरी गंदगी भी बाहर निकल जाती है।

● टोनिंग करें

क्लीनिंग के बाद स्किन की टोनिंग जरूर करें। इसके लिए आप ग्रीन टी या कैमोमाइल टी का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर स्किन पर कील-मुंहासे हैं तो अल्कॉहॉल फ्री टोनर का इस्तेमाल करें।

● क्ले मास्क से निकाल डेड स्किन

त्वचा की मृत कोशिकाएं निकालने के लिए लाइट एक्सफोलिएटिंग स्क्रब का यूज करें। फेशल मास्क के तौर पर केओलिन क्ले का यूज आपके लिए सही रहेगा। इससे कोई साइड-इफैक्ट नहीं होता।

● सही माइश्चराइजर

सेंसिटिव स्किन के लिए ऐसे मॉइश्चराइजर का करें, जिनमें किसी तरह की फ्रेगरेंस यानी खुशबू न हो। इससे एलर्जी या इर्रिटेशन की समस्या हो सकती है। नॉर्मल पानी का यूज सेंसिटिव स्किन है इसलिए इसकी सफाई के लिए न तो ज्यादा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें और न ही ज्यादा गर्म।

● सनस्क्रीन

सनस्क्रीन त्वचा को सूरज का हानिकारक किरणों से बचाने का काम करता है लेकिन कोई भी क्रीम आपके लिए सही नहीं है। आप ऐसे सनस्क्रीन यूज करें जिनमें जिंक ऑक्साइड हो। यह सेंसिटिवव स्किन के लिए सुरक्षित होते हैं।

● सही प्रॉडक्ट्स चुनें

रेटिन ए, बेन्जॉइल परऑक्साइड और सैलिसिलिक एसिड वाले प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल सेंसिटिव स्किन को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप एक्सपर्ट से सलाह लेने के बाद ही किसी भी प्रॉडक्ट्स को यूज करें।

● फेस मास्क

सेंसिटिव स्किन पर हर तरह का फेस मास्क काम नहीं करता। इसके लिए दही और जई के आटे को मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। इससे फायदा यह होगा कि चेहरे से मॉइश्चर नहीं निकलेगा और सिर्फ डेड स्किन ही निकलेगी।

हल्दी से दूर करें बॉडी पर पड़े भद्दे स्ट्रेच मार्क्स

हल्दी हमारी स्किन और सेहत दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल न केवल चेहरे के दाग-धब्बे बल्कि स्ट्रेच मार्क्स कम करने में भी मदद करता है। डल पड़ी स्किन में फिर से जान डालने के लिए हल्दी सबसे सस्ता और बेहतर उपाय है। तो चलिए जानते हैं कि हल्दी के तमाम गुणों के बारे में जो आपको एक नहीं बल्कि कई तरह की स्किन प्रॉब्लम से बचाकर रखते हैं...

हल्दी से करें Pedicure

फटी एड़ियां, खराब स्किन पैरों की खूबसूरती को कम कर देती है। सैलून में जाकर महिलाएं अक्सर Pedicure करवाती रहती हैं। उन सब के साथ-साथ घर पर भी पैरों की देखभाल बहुत जरुरी है। ऐसे में आप नारियल के तेल में हल्दी मिलकार पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को 5 से 10 मिनट तक अपने पैरों पर लगा रहने दें। सूखने के बाद हल्के हाथों से रगड़कर उतारें। देखते ही देखते आपके पैर एक दम साफ,गोरे और चमकदार हो जाएंगे।

हर तरह की स्किन के लिए

बेस्ट है हल्दी

ज्यादातर ब्यूटी प्रोडक्ट्स सिर्फ एक तरह की ही स्किन का ख्याल रख पाती हैं। मगर पर हल्दी आपकी ड्राई स्किन से लेकर ऑयली, पिंप्लस और नार्मल स्किन सभी के लिए बेस्ट रहती है। 1 चम्मच बेसन में 2 टीस्पून हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार चेहरे पर जरुर लगाएं। रंग गोरा होने के साथ-साथ आपके चेहरे पर एक अलग सी चमक लाएगा यह हल्दी वाला फेस पैक।

स्ट्रेच मार्क्स होंगे कम

प्रेग्नेंसी के बाद हर महिला को स्ट्रेच मार्क्स हो जाते हैं। आप हल्दी में गुलाब जल मिलाकर स्ट्रेच मार्क्स पर लगाएं इससे स्ट्रेच मार्क्स दूर होंगे। अगर आपके स्टिचिस लगे हैं तो स्टिचिस प्रॉपर ड्राई होने के बाद ही ऐसा करें।

हल्दी के एंटी-बायोटिक गुण पुराने से पुराने दाग को दूर करने की क्षमता रखते हैं। अगर आप 1 चम्मच एलोवेरा में 1 टीस्पून हल्दी मिलाकर लगाती हैं तो उससे आपके पेट की त्वचा सॉफ्ट भी होगी और सारे दाग भी गायब हो जाएंगे।

नाइट क्रीम की तरह करे काम

हल्दी आपकी स्किन पर एक »»fight क्रीम तरह भी काम करती है। रात में सोने से पहले इसे दूध या दही में मिलाकर चेहरे पर लगाए। ऐसा करने से आपको सुबह तक ग्लोइंग स्किन मिलेंगी आपके चेहरे पर निखार आ जाएगा। ऐसा हफ्ते में बस एक ही बार करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अक्षय कुमार ने खोला अपनी सक्सेसफुल मैरिज का राज

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी बहुचर्चित फिल्म सम्राट पृथ्वीराज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म 3 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने आ रही है। इन दिनों एक्टर फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी चल रहे हैं। इसी बीच एक्टर ने अपनी सक्सेसफुल शादी के पीछे के राज से पर्दा उठाया है। हाल ही में बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार ने अपनी पत्नी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कैसे इनते सालों बाद भी आज भी उनकी शादीशुदा लाइफ कैसी एक दम पटरी पर है। जहां अक्षय फिल्मी पर्दे के जरिए लोगों के दिलों पर राज करते हैं वहीं, ट्विंकल अब पर्दे के पीछे रहकर काम करना पसंद करती हैं। एक्ट्रेस लंबे समय से वह एक्टिंग से दूर हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हाल ही में अक्षय कुमार ने एक इंटरव्यू में अपने और ट्विंकल खन्ना के रिश्तों को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान एक्टर ने कहा, यह बहुत अजीब तरह से काम करता है। मेरे पास इसका आइडिया नहीं। मैं अलग सोचता हूं और वह अलग सोचती हैं। हम दोनों की सोच नहीं मिलती, न ही विचार मिलते हैं। हम दोनों ही एक-दूसरे से काफी अलग सोचते है। खिलाड़ी कुमार ने आगे कहा, मैं जब कुछ पूछता हूं तो ट्विंकल मुझे सजेशन दे देती हैं। वहीं, अगर वो मुझसे उनका लिखा कॉलम पढ़ने के लिए कहती हैं तो मैं पढ़ लेता हूं और वो किसी बात पर मेरी राय लेती है, तो मैं दे देता हूं। अगर वो नहीं मेरे से नहीं पूछती तो मैं चुप रहनी पसंद करता हूं, मैं उनकी लाइफ में इंटरफेयर नहीं करता और न वो मेरी लाइफ में इंटरफेयर करती हैं।

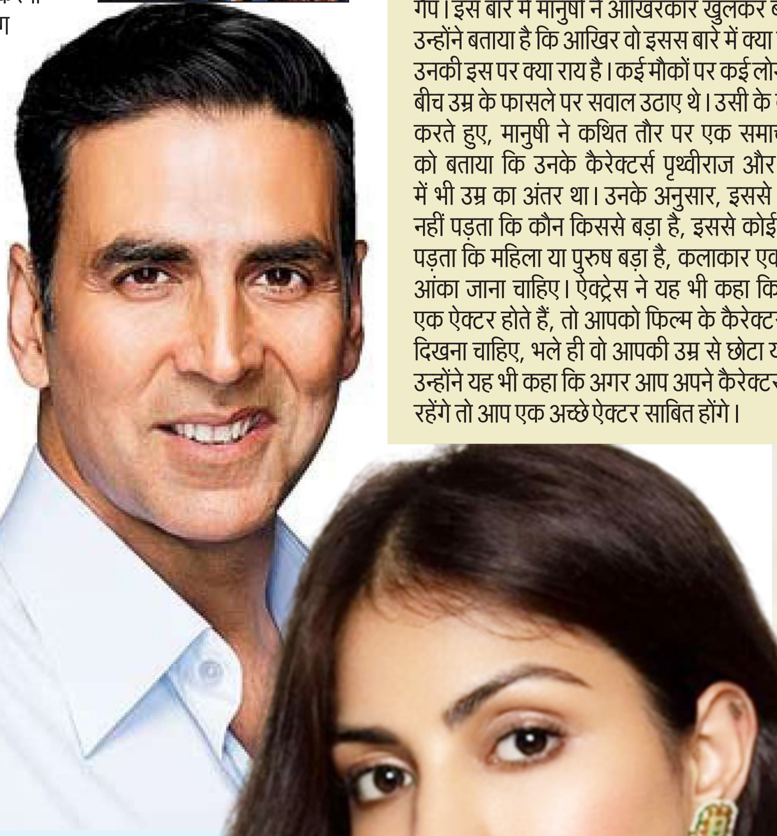

मानुषी छिल्लर ने अक्षय संग एज गैप पर तोड़ी चुप्पी

अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में अक्षय ने महान शाशक पृथ्वीराज का रोल प्ले किया है। इस फिल्म के बारे में पहले से ही चर्चा हो रही थी और इसके एक नहीं बल्कि कई कारण थे। इन्हीं में से एक बात काफी सुर्खियों में रही और वो है अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर के बीच उम्र का फासला यानी दोनों की बड़ी एज गैप। इस बारे में मानुषी ने आखिरकार खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि आखिर वो इसस बारे में क्या सोचती हैं। उनकी इस पर क्या राय है। कई मौकों पर कई लोगों ने उनके बीच उम्र के फासले पर सवाल उठाए थे। उसी के बारे में बात करते हुए, मानुषी ने कथित तौर पर एक समाचार पोर्टल को बताया कि उनके कैरेक्टर्स पृथ्वीराज और संयोगिता में भी उम्र का अंतर था। उनके अनुसार, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किससे बड़ा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि महिला या पुरुष बड़ा है, कलाकार एक मायने में आंका जाना चाहिए। ऐक्ट्रेस ने यह भी कहा कि जब आप एक ऐक्टर होते हैं, तो आपको फिल्म के कैरेक्टर की तरह दिखना चाहिए, भले ही वो आपकी उम्र से छोटा या बड़ा हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप अपने कैरेक्टर के करीब रहेंगे तो आप एक अच्छे ऐक्टर साबित होंगे।

रिया चक्रवर्ती को लगा बड़ा झटका

रिया चक्रवर्ती का अबू धाबी जाने का सपना टूट गया है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद ड्रग्स केस में आरोपी रिया चक्रवर्ती 2 जून से 5 जून तक अबू धाबी में आइफा अवॉर्ड्स में शामिल होने वाली थीं। कोर्ट से जमानत पर रिहा रिया चक्रवर्ती ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटैंस ऐक्ट के तहत कोर्ट से इसके लिए इजाजत भी ले ली थी। लेकिन उन्होंने अब कोर्ट को जानकारी दी है कि वह अबू धाबी नहीं जा रही हैं। दरअसल, ड्रग्स केस में आरोपी होने के कारण रिया चक्रवर्ती पर 2020 से ही विदेशी यात्रा को लेकर रोक लगी हुई है। ऐसे में आईआईएफए अवॉर्ड्स में शामिल होने के लिए रिया ने कोर्ट में अर्जी देकर इजाजत मांगी थी। रिया को इसकी इजाजत भी मिल गई, लेकिन ऐन मौके पर उन्हें यह पता चला कि उनके खलिाफ लुकआउट नोटिस भी जारी है। ऐसे में वह चाहकर भी विदेश यात्रा नहीं कर सकती हैं। रिया चक्रवर्ती के वकील निखलि मानशर्दि कोर्ट में उनकी याचिका पर पैरवी कर रहे थे। उनके साथ स्पेशल पबलिक प्रॉसिक्यूटर अतुल सरपंडे भी थे, जो एंजेसी की तरह से मौजूद थे।